विद्यार्थियों से परिचर्चा करते हुए प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार त्रिपाठी

दिनांक : 16 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी पूर्व अधिष्ठाता केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल व पूर्व निदेशक अटारी जोन 6 ने "गौ आधारित प्राकृतिक खेती" विषयक पर विद्यार्थियों से विस्तृत परिचर्चा की। डॉ. त्रिपाठी ने गाय को भारतीय कृषि प्रणाली का आधार बताते हुए कहा कि हमारे पूर्वज वर्षों पूर्व भी समकालीन कृषि के उन्नत विधाओं की जानकारी रखते थे व उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से कृषि का परिचालन करते थे, जिसमें बीजामृत, जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र व अग्निस्त्र जैसी विधियों से बीज शोधन, कीट प्रबन्ध व मृदा संरक्षण इत्यादि किया जाता था जो प्रकृति के अनुकूल था।

वर्तमान की आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार प्राकृतिक खेती को किसनों के मध्य प्रोत्साहित कर रही है, वर्तमान में भारत खद्यान के मामले में आत्मनिर्भर होने के साथ–साथ अन्य देशों को अनाज निर्यात कर रहा है। सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसान प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक प्रणाली को अपना सकें व जनमानस तक स्वस्थ आहार उपलब्ध करा सकें। व्याख्यान के दौरान अधिष्ठाता कृषि डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ, सरस्वती प्रेम कुमारी, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह व डॉ. विकास यादव तथा समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें।